षष्ठाऽनुवाकः।

राज्ञी विराज्ञी। सम्बाज्ञी खराज्ञी। अर्चिः शोचिः। तथा हरो। भाः। अग्निरिन्द्रो बहस्यतिः। विश्वे देवा भुवनस्य गोपाः। ते मा सर्व्वे यश्रसा सःस्चन्तु॥१॥ राज्ञीन्द्री मा सप्त॥ अनु० ६॥

सप्तमाऽनुवाकः।

श्रमवे खाहा वसवे खाहा। विभवे खाहा विव-खते खाहा। श्रमिभवे खाहाधिपतये खाहा। दिवां पत्रये खाही शहरपत्याय खाहा। चाशुप्पत्याय खाहा। च्योतिष्पत्याय खाहा। राज्ञे खाहा विराज्ञे खाहा। सम्माज्ञे खाहा खराज्ञे खाहा। श्रषाय खाहा स्वर्थीय खाहा। चन्द्रमसे खाहा च्योतिषे खाहा। सश्सपीय खाहा क्ल्याणाय खाहा॥ श्रजुनाय खाहा॥ १॥ कल्याणाय खाहेकचा॥ श्रनु००॥

त्रष्टमाऽन्वाकः।

विपश्चिते पर्वमानाय गायत। महोनधारात्यन्था अर्षति। अर्हिर्हजीसीमितिसर्पति त्वचम्। अत्यो न की-